Seat No. : _____

TJ-106-H

B.A. Sem.-I
May-2013

Psychology (EC-I-104)

(Psychology & Effective Behaviour-I)

Time : 3 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. (अ) विफलीकरण (हताशा) के कारण समझाइये और अपनी संस्कृति के कोई तीन विफलीकरणों का वर्णन कीजिये । **7**

अथवा

दबाव किसे कहते हैं ? अपने समाज के सामान्य दबावों का वर्णन कीजिये ।

(ब) "मनोभार (Stress) के पैटर्न अज्ञात हो सकते हैं ।" इस विधान की चर्चा कीजिये । **7**

अथवा

"मनोभार के साथ अनुकूलन खर्चीला है ।" समझाइये ।

2. (अ) विवाह पूर्व की जातीय भूमिका (Sex roles) और संबंधों का वर्णन कीजिये । **7**

अथवा

विवाह करने के कारणों का विस्तार से वर्णन कीजिये ।

(ब) विभिन्न वैवाहिक आन्तर संबंधों (पारस्परिक क्रियाओं) का वर्णन कीजिये । **7**

अथवा

विवाह के अच्छे अनुकूलन को प्रभावित करने वाले विवाह पूर्व और पश्चात् के परिबलों की चर्चा कीजिये ।

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिये : (कोई **चार**) **16**

(1) परिहार-परिहार संघर्ष

(2) आवश्यकताओं का महत्त्व, अवधि एवं अनेकता

(3) मनोभार सह्यता

(4) वैवाहिक सफलता मापन के लिए नये मानक

(5) जीवनसाथी की पसंदगी में 'रोमेन्टिक प्रेम' का महत्त्व

(6) गृहकेन्द्री विवाह

4. निम्नलिखित प्रश्नों के **एक** या **दो** वाक्यों में उत्तर दीजिये : **12**

(1) उपागमन-उपागमन संघर्ष किसे कहते हैं ?

(2) जीवन के मुख्य मनोभार प्रसंग किसे कहते हैं ?

(3) विवाह न करने के कोई दो कारण बताइये ।

(4) जीवन साथी की पसंदगी के संन्दर्भ में सौदेबाजी का अर्थ समझाइये ।

(5) आनंदप्रधान विवाह किसे कहते हैं ?

(6) समायोजन की विभिन्न रीतियाँ विवाह में अच्छे अनुकूलन को किस प्रकार से प्रभावित करते हैं ? स्पष्ट कीजिये ।

5. कोष्टक में दिये गये विकल्पों में से सही विकल्प पसंद करके रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये : **14**

(1) विकल्पों के स्वरूप के आधार पर संघर्ष के _____ प्रकार हैं । (तीन, चार)

(2) _____ संघर्ष में व्यक्ति निर्णय नहीं ले सकता कि परिस्थिति का स्वीकार करना या नहीं । (परिहार-परिहार, उपागमन-परिहार)

(3) परीक्षा में चोरी करना चाहता परंतु स्वयं के मूल्यों के बारे में विचार करता विद्यार्थी निष्ठा विरूद्ध _____ के संघर्ष का अनुभव करता है । (स्वार्थ, स्वमान)

(4) संघर्ष की परिस्थिति में निर्णय करने के बाद भी _____ का अनुभव तो होता ही है । (विफलीकरण, दबाव)

(5) समस्या को हल करने का कौशल्य अधिक हो तो उसका मनोभार _____ होता है । (हल्का, तीव्र)

(6) व्यक्ति अपनी समस्या का प्रत्यक्षीकरण किस प्रकार से करता है उसकी असर मनोभार की _____ पर होती है । (पैटर्न, कटुता (उत्कटता))

(7) अपेक्षित मनोभार जैसे-जैसे नजदीक आता है वैसे-वैसे उसकी तीव्रता _____ है । (घटती, बढ़ती)

(8) परिचित की अपेक्षा अपरिचित समस्या से उत्पन्न मनोभार की तीव्रता _____ होती है । (कम, अधिक)

(9) समय व्यतीत होने पर वैवाहिक जीवन की अपेक्षाएँ _____ । (बदल जाती हैं, कम हो जाती हैं)

(10) जीवन साथी की पसंदगी में व्यक्ति का सामाजिक दरजा महत्त्व की भूमिका _____ । (निभाता नहीं है, निभाता है)

(11) विवाह मार्गदर्शक विविध माहिती के आधार पर वैवाहिक जीवन की _____ संबंधी पूर्वानुमान करते हैं । (सफलता, प्रगति)

(12) अपने कैरियर की सफलता से प्रेरित युगलों में _____ विवाह अधिक होते हैं । (आनंद प्रधान, सहभागी)

(13) बालक के आगमन के बाद आनंद प्रधान विवाह _____ विवाह भी बन सकते हैं । (सहभागी, गृहकेन्द्री)

(14) सुखी वैवाहिक जीवन में जातीय (Sexual)_____ अधिक होता है । (संतोष, अनुभव)